

17

Thursday

4. 4. 1. 1. 1.

①
২২/৭/২০

10 October '16					17 November '15				
31	3	10	17	24	1	7	14	21	28
	4	11	18	25	2	8	15	22	29
	5	12	19	26	3	9	16	23	30
	6	13	20	27	4	10	17	24	
	7	14	21	28	5	11	18	25	
1	8	15	22	29	6	12	19	26	
2	9	16	23	30		13	20	27	

B.A. + B.Sc.

Part I

हिंदी व्याकरण

ਅੰਤਿਮ ਅੰਗ

निर्वाचन के कागज की विशेषता/ जाहाना बाद

रक्षा-कार्ड के माध्यम से राष्ट्र-पिता + राष्ट्रीय आ

काठमाडौं, १५ असार २०७३

काल के साक्षरता विज्ञान है।

ਦਿਖਾਈ ਦਿੰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਸਮਾਜਿਕ

ଅନ୍ତରାଳ ଯୋଗ୍ୟ ଯୋଗ୍ୟ

कारण के प्रेम प्रियता में संयोग संगम की प्रदाना है। प्रियता की उनके पास न तो तीव्र अनुभूति है और न उनका समाधान करने के लिए उनके पास क्षमता है। इस दृष्टि से समाधान और दानानन्द दोनों एक दूसरे के पूरक जान पड़ते हैं। कारणाज में प्रियता की जो साधना है वह आदो साधनों में इस प्रकार है -

[illegible]

4. किराया की दरें बढ़ा दी गई हैं।

44. 2-11-12-13-14-15-16-17-18-19-20-21-22-23-24-25-26-27-28-29-30-31-32-33-34-35-36-37-38-39-40-41-42-43-44-45-46-47-48-49-50-51-52-53-54-55-56-57-58-59-60-61-62-63-64-65-66-67-68-69-70-71-72-73-74-75-76-77-78-79-80-81-82-83-84-85-86-87-88-89-90-91-92-93-94-95-96-97-98-99-100-101-102-103-104-105-106-107-108-109-110-111-112-113-114-115-116-117-118-119-120-121-122-123-124-125-126-127-128-129-130-131-132-133-134-135-136-137-138-139-140-141-142-143-144-145-146-147-148-149-150-151-152-153-154-155-156-157-158-159-160-161-162-163-164-165-166-167-168-169-170-171-172-173-174-175-176-177-178-179-180-181-182-183-184-185-186-187-188-189-190-191-192-193-194-195-196-197-198-199-200-201-202-203-204-205-206-207-208-209-210-211-212-213-214-215-216-217-218-219-220-221-222-223-224-225-226-227-228-229-230-231-232-233-234-235-236-237-238-239-240-241-242-243-244-245-246-247-248-249-250-251-252-253-254-255-256-257-258-259-260-261-262-263-264-265-266-267-268-269-270-271-272-273-274-275-276-277-278-279-280-281-282-283-284-285-286-287-288-289-290-291-292-293-294-295-296-297-298-299-300-301-302-303-304-305-306-307-308-309-310-311-312-313-314-315-316-317-318-319-320-321-322-323-324-325-326-327-328-329-330-331-332-333-334-335-336-337-338-339-340-341-342-343-344-345-346-347-348-349-350-351-352-353-354-355-356-357-358-359-360-361-362-363-364-365-366-367-368-369-370-371-372-373-374-375-376-377-378-379-380-381-382-383-384-385-386-387-388-389-390-391-392-393-394-395-396-397-398-399-400-401-402-403-404-405-406-407-408-409-410-411-412-413-414-415-416-417-418-419-420-421-422-423-424-425-426-427-428-429-430-431-432-433-434-435-436-437-438-439-440-441-442-443-444-445-446-447-448-449-450-451-452-453-454-455-456-457-458-459-460-461-462-463-464-465-466-467-468-469-470-471-472-473-474-475-476-477-478-479-480-481-482-483-484-485-486-487-488-489-490-491-492-493-494-495-496-497-498-499-500-501-502-503-504-505-506-507-508-509-510-511-512-513-514-515-516-517-518-519-520-521-522-523-524-525-526-527-528-529-530-531-532-533-534-535-536-537-538-539-540-541-542-543-544-545-546-547-548-549-550-551-552-553-554-555-556-557-558-559-560-561-562-563-564-565-566-567-568-569-570-571-572-573-574-575-576-577-578-579-580-581-582-583-584-585-586-587-588-589-590-591-592-593-594-595-596-597-598-599-600-601-602-603-604-605-606-607-608-609-610-611-612-613-614-615-616-617-618-619-620-621-622-623-624-625-626-627-628-629-630-631-632-633-634-635-636-637-638-639-640-641-642-643-644-645-646-647-648-649-650-651-652-653-654-655-656-657-658-659-660-661-662-663-664-665-666-667-668-669-670-671-672-673-674-675-676-677-678-679-680-681-682-683-684-685-686-687-688-689-690-691-692-693-694-695-696-697-698-699-700-701-702-703-704-705-706-707-708-709-710-711-712-713-714-715-716-717-718-719-720-721-722-723-724-725-726-727-728-729-730-731-732-733-734-735-736-737-738-739-740-741-742-743-744-745-746-747-748-749-750-751-752-753-754-755-756-757-758-759-760-761-762-763-764-765-766-767-768-769-770-771-772-773-774-775-776-777-778-779-780-781-782-783-784-785-786-787-788-789-790-791-792-793-794-795-796-797-798-799-800-801-802-803-804-805-806-807-808-809-810-811-812-813-814-815-816-817-818-819-820-821-822-823-824-825-826-827-828-829-830-831-832-833-834-835-836-837-838-839-840-841-842-843-844-845-846-847-848-849-850-851-852-853-854-855-856-857-858-859-860-861-862-863-864-865-866-867-868-869-870-871-872-873-874-875-876-877-878-879-880-881-882-883-884-885-886-887-888-889-890-891-892-893-894-895-896-897-898-899-900-901-902-903-904-905-906-907-908-909-910-911-912-913-914-915-916-917-918-919-920-921-922-923-924-925-926-927-928-929-930-931-932-933-934-935-936-937-938-939-940-941-942-943-944-945-946-947-948-949-950-951-952-953-954-955-956-957-958-959-960-961-962-963-964-965-966-967-968-969-970-971-972-973-974-975-976-977-978-979-980-981-982-983-984-985-986-987-988-989-990-991-992-993-994-995-996-997-998-999-1000-1001-1002-1003-1004-1005-1006-1007-1008-1009-1010-1011-1012-1013-1014-1015-1016-1017-1018-1019-1020-1021-1022-1023-1024-1025-1026-1027-1028-1029-1030-1031-1032-1033-1034-1035-1036-1037-1038-1039-1040-1041-1042-1043-1

2021 2022 ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਹੋਇਆ ਹੈ।

प्रतिद्वन्द्व की भाषा उनके भाषी के द्वाारा

2-14-1951

नदी का किनारा के समान ही कदाचित्

09.11.2021 को श्री राजीव गान्धी आर्य समाज मंदिर

इसकी ओर ध्यान रखने की प्रवृत्तियाँ हैं।

[illegible]

क्रमावधि:

December '16			
5	12	19	26
6	13	20	27
7	14	21	28
8	15	22	29
9	16	23	30
10	17	24	31
11	18	25	

January '17			
30	2	9	16
31	3	10	17
	4	11	18
	5	12	19
	6	13	20
	7	14	21
	8	15	22

12

कमरा: November 2016

२७/१२/२०

B.A. + B.S.C. I Part

323-043

Hindi २५०११

Friday

18

महान सुधारी आन्दोलन है जिसमें भावपूर्ण
गुना की प्रधानता है।

है कि इनमें समाधान के काण्ड की विशेषता
है कि इनमें अनुप्रास एवं अनेक आत्मकाव्यों
का प्रयोग सामान्य पुराने हुआ है। धर्म
की समाधानिकता के साथ अनुप्रास के
प्रयोग एवं अनेक के अनेक में इनके
बादों को इनका समाधान बना दिया है कि
सर्वोपर का समाधान लाभ ही समाधान बना
जाता है। धर्मों के आत्मिक में समाधान
को सामाजिक सिद्धि सर्वोपर की ही हुई है।

समाधानिकता होकर भी
समाधान को सामाजिक मेल-मिलाव में
आपने को पूरी तरह आत्मिक समाधान
हिन्दुओं के परम्परागत श्रीकृष्ण का
भावना आसन हुआ कि समाधान और समाधान की
को कि या कि वहने हिन्दु कवि भी समाधान
के श्रोता में उनकी समाधान नहीं कर सकते।
उन्होंने प्रेम को समाधान की चाहती में समाधान
पूरा किया समाधान प्रेम कि या है जिस
पीकव हृदय उदात्त समाधान पर प्रतिष्ठित
हो जाता है। उस समाधान उस कृष्ण के
दिनांक के आत्मिक और कुछ समाधान
ही नहीं है।

November 2016

9

324-042

Saturday

29/7/20

October '16							November '16						
31	3	10	17	24			1	8	15	22	29		
	4	11	18	25			2	9	16	23	30		
	5	12	19	26			3	10	17	24			
	6	13	20	27			4	11	18	25			
1	7	14	21	28			5	12	19	26			
2	8	15	22	29			6	13	20	27			
	9	16	23	30									

Important

B.A. + B.Sc. Part I

Hindi प्रश्न।

सुसंस्कारों के कारण की विशेषता
की उदाहरणों द्वारा निम्न प्रश्न -

सामग्री प्रश्नों के माता बनावट है
लासुनिष्ठ प्रश्न -

$$1 \times 10 = 10$$

- (1) सुसंस्कारों के कारणों के कहे हैं।
- (2) सुसंस्कारों के उदाहरणों के कहे हैं।
- (3) सुसंस्कारों का उद्देश्य है क्या है।
- (4) सुसंस्कारों के लिए लोगों के जो।
- (5) सुसंस्कारों के लिए के बड़े कारणों।
- (6) सुसंस्कारों का निष्कर्ष है क्या है।
- (7) ऐसा व्यक्ति किना की पुत्र-पुत्री है।
- (8) सुसंस्कारों में किना की विशेषता की है।
- (9) सुसंस्कारों में किना की विशेषता की है।
- (10) सुसंस्कारों के जीवन की पुत्री क्या है।

5-041

Sunday